



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 387]

नई दिल्ली, सोमवार, नवम्बर 3, 2008/कार्तिक 12, 1930

No. 387]

NEW DELHI, MONDAY, NOVEMBER 3, 2008/KARTIKA 12, 1930

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना

नई दिल्ली, 3 नवम्बर, 2008

विषय : चीन जन. गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित पेनिसिलिन-जी के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच की शुरुआत ।

सं. 14/10/2008-डीजीएडी.—मै. एलेम्बिक लि., बड़ौदा ने 1995 में यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 तथा सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण हेतु) नियमावली, 1995 (जिन्हें एतदपश्चात् नियम कहा गया है) के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें एतदपश्चात् प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष एक याचिका दायर की है जिसमें चीन जन गण (जिसें एतदपश्चात् संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित पेनिसिलिन-जी (जिसे एतदपश्चात् संबद्ध वस्तु कहा गया है) के कथित पाटन के संबंध में पाटनरोधी जांच शुरू करने का अनुरोध किया गया है ।

और जबकि प्राधिकारी ने पाया है कि संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के पाटन, घरेलू उद्योग की क्षति तथा पाटन एवं क्षति के बीच कारणात्मक संबंध के प्रथम दृष्ट्या पर्याप्त साक्ष्य उपस्थित हैं और वे एतद्वारा किसी कथित पाटन की उपस्थिति, मात्रा एवं प्रभाव का निर्धारण करने तथा पाटनरोधी शुल्क की राशि जिसे यदि लागू किया जाए तो वह घरेलू उद्योग की क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगी, की सिफारिश करने के लिए उपरोक्त नियमावली के नियम 5 के अनुसार कथित पाटन एवं परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को हुई क्षति की जांच प्रारंभ करते हैं ।

घरेलू उद्योग

2. यह याचिका मै. एलेम्बिक लि., एलेम्बिक रोड, वड़ोदरा द्वारा घरेलू उद्योग की ओर से दायर की गई है और उन्होंने दावा किया है कि भारत में पेनिसिलिन-जी के तीन और उत्पादक मौजूद थे । मै. जे के फार्मा एवं मै. टॉरेंट बायोटेक लि. ने उत्पादन बंद कर दिया है । चौथी कंपनी मै. सदर्न पेट्रो केमिकल इंडस्ट्री कार्पोरेशन उत्पादन कर रही है और एक प्रमुख उत्पादक है तथा इस याचिका का समर्थन करती है । प्राधिकारी के पास उपलब्ध सूचना के अनुसार पाटनरोधी नियमावली के नियम 2 (ख) तथा नियम 5 (3) (क) के अनुसार घरेलू उद्योग के पक्ष से याचिकाकर्ता के पास पाटनरोधी जांच हेतु मामला दायर करने का अधिकार है ।

विचाराधीन उत्पाद

3. विचाराधीन उत्पाद पेनिसिलिन - जी है, जिसका पाटन चीन जन गण के निर्यातकों द्वारा भारतीय बाजार में किया जा रहा है। पेनिसिलिन - जी एक कार्बनिक यौगिक है। यह अनियमित आकार का सफेद चूर्ण है, जो जल में आंशिक रूप से विलेय तथा मीथेनॉल, एथेनॉल, ईथर इथाइल एसीटेट, क्लोरोफार्म, एसीटोन तथा बेंजीन में विलेय है। पेनिसिलिन एकल यौगिक नहीं है अपितु सह संबद्ध यौगिकों का एक समूह है, जो दो अमीनो अम्लों (वैलाइन एवं सिसटाइन) से व्युत्पन्न एक ट्राइपेप्टाइड इन्टरमीडिएट के माध्यम से जुड़ी वलयाकार (बीटा लेक्टम) संरचनाएं होती हैं। पेनिसिलिन एक बीटा - लेक्टम एंटीबायोटिक है जिसका उपयोग आम तौर पर ग्रामोपाजीटिव जीवों से होने वाले जीवाणु संक्रमण के उपचार में किया जाता है। "पेनिसिलिन" नाम से तात्पर्य या तो इसके उपलब्ध विभिन्न रूपों से अथवा पेनिसिलिन से व्युत्पन्न एंटीबायोटिक्स के समूह से होता है। विचाराधीन वस्तु सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 के अध्याय 29 में सीमाशुल्क उपशीर्ष 29.41.10 के अंतर्गत तथा सुमेलीकृत वस्तु विवरण एवं कोडिंग पद्धति पर आधारित भारतीय व्यापार वर्गीकरण में यह उपशीर्ष 29411010 के अंतर्गत वर्गीकृत है। सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और जांच के दायरे पर बाध्यकारी नहीं है।

समान वस्तुएं

5. आवेदक ने दावा किया है कि उनके द्वारा उत्पादित वस्तु संबद्ध देश के मूल की अथवा वहां निर्यातित वस्तु के "समान वस्तु" है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित एवं चीन जन गण से आयातित पेनिसिलिन - जी के बीच कोई ज्ञात अंतर नहीं है और भौतिक व रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, कार्यों तथा उपयोगों, उत्पाद विनिर्देशनों, कीमत निर्धारण, वितरण तथा वस्तु के विपणन जैसे मानदण्डों के रूप में उनकी विशेषताएं परस्पर तुलनीय हैं। अतः इस जांच के प्रयोजनार्थ, आवेदक द्वारा उत्पादक पेनिसिलिन - जी को पाटनरोधी नियमावली के अर्थ के भीतर संबद्ध देश से आयातित पेनिसिलिन - जी के समान वस्तु माना जा रहा है।

शामिल देश

6. वर्तमान जांच में शामिल देश चीन जन गण है।

सामान्य मूल्य

7. आवेदक ने प्रस्ताव किया है कि चीन एक गैर बाजार अर्थव्यवस्था होने के कारण सामान्य मूल्य का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध - 1 के पैरा 7 के अनुसरण में किया जाए। आवेदकों ने कहा कि वे बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी तीसरे देश से अन्य देशों में इसकी कीमतों की सूचना जुटा नहीं पाए हैं। तदनुसार आवेदकों ने प्रस्ताव किया है कि चीन के संबंध में सामान्य मूल्य का निर्धारण भारत में इसकी कीमतों के आधार पर जांच अवधि के दौरान लागू सीमाशुल्क घटाने के बाद किया जाए।

निर्यात कीमत

8. आई बी आई एस (अंतर्राष्ट्रीय व्यापार सूचना प्रणाली) तथा डी जी सी आई एंड एस (वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय), कोलकाता द्वारा उपलब्ध कराए गए आयात आंकड़ों के आधार पर

निर्यात कीमतों का निर्धारण किया गया है। निवल निर्यात कीमत के निर्धारण हेतु समुद्र भाड़ा, समुद्री बीमा, निर्यात के देश में अंतर्देशीय परिवहन, पत्तन प्रहस्तन तथा पत्तन प्रभार आदि से संबंधित कीमत समायोजन किए गए हैं। आवेदक द्वारा संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु हेतु निर्यात कीमतों तथा समायोजनों के संबंध में किए गए दावे के पर्याप्त प्रमाण मौजूद हैं।

पाटन मार्जिन

9. इस बात के पर्याप्त साक्ष्य हैं कि संबद्ध देश में संबद्ध वस्तु का सामान्य मूल्य, निवल निर्यात कीमत से बहुत अधिक है जो प्रथम दृष्ट्या इस बात का संकेत है कि संबद्ध देश से निर्यातकों द्वारा संबद्ध वस्तु का पाटन किया जा रहा है।

क्षति तथा कारणात्मक संबंध

10. आवेदक ने कथित पाटन के परिणामस्वरूप पाटित आयातों की बढ़ी हुई मात्रा, कीमत कटौती, कम बिक्री, लाभप्रदता तथा घरेलू उद्योग हेतु नियोजित पूंजी पर आय में कमी के कारण उनके बाजार हिस्से में कमी के रूप में हुई क्षति से संबंधित साक्ष्य प्रस्तुत किए हैं। संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण आवेदक को हुई वास्तविक क्षति के पर्याप्त प्रथम दृष्ट्या साक्ष्य मौजूद हैं।

जाँच की अवधि

11. वर्तमान जाँच के प्रयोजनार्थ जाँच की अवधि 1 अप्रैल, 2007 से 31 मार्च, 2008 है। तथापि क्षति की जाँच की अवधि में 2004 - 2005, 2005 - 2006, 2006 - 2007 तथा जाँच अवधि (पीओआई) शामिल होगी।

सूचना प्रस्तुत करना:

12. संबद्ध देश के निर्यातकों, भारत में दूतावासों के जरिए उनकी सरकार, भारत में संबंधित समझे जाने वाले आयातकों तथा प्रयोक्ताओं एवं घरेलू उद्योग को निर्धारित प्रपत्र में एवं ढंग से संगत सूचना प्रस्तुत करने लिए अलग से लिखा जा रहा है। वर्तमान जाँच में भागीदारी करने के इच्छुक पक्ष निम्नलिखित को लिख सकते हैं :-

निर्दिष्ट प्राधिकारी,
पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, वाणिज्य विभाग
कमरा सं० 240
उद्योग भवन
नई दिल्ली - 110107

समय सीमा:

13. वर्तमान जाँच से संबंधित कोई सूचना लिखित में भेजी जाए जो प्राधिकारी के पास उपर्युक्त पते पर इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से चालीस दिनों (40 दिन) से पूर्व पहुंच जानी चाहिए। यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर कोई सूचना प्राप्त नहीं होती है या प्राप्त हुई सूचना अधूरी है तो निर्दिष्ट

प्राधिकारी उपर्युक्त नियमावली के अनुसार रिकॉर्ड में उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं।

अगोपनीय आधार पर सूचना प्रस्तुत करना

14. नियम 7 के अनुसार हितबद्ध पक्षों द्वारा प्राधिकारी को उपलब्ध कराई गई किसी भी गोपनीय सूचना का अगोपनीय सारांश प्रस्तुत करना अपेक्षित है और यदि ऐसी सूचना प्रदान करने वाले पक्ष के विचार में ऐसी सूचना का सारांश तैयार करना संभव नहीं है तो उसके कारणों संबंधी एक विवरण प्रस्तुत किया जाना चाहिए।

सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण :

15. नियम 6(7) के अनुसार कोई हितबद्ध पक्ष उस सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकता है जिसमें अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय अंश रखे हुए हैं।

16. यदि कोई हितबद्ध पक्ष आवश्यक सूचना जुटाने से मना करता है या उचित समय के भीतर उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराता है या जांच में अत्यधिक बाधा डालता है तो प्राधिकारी अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं और केन्द्रीय सरकार को यथोचित सिफारिशें कर सकते हैं।

आर. गोपालन, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

INITIATION NOTIFICATION

New Delhi, the 3rd November, 2008

Subject: Initiation of Anti-Dumping investigations concerning imports of Penicillin-G originating in or exported from China PR.

No. 14/10/2008-DGAD.—M/s Alembic Ltd., Baroda has filed an application before the Designated Authority (herein after referred to as the Authority) in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on dumped articles and for determination of injury) Rules, 1995 (herein after referred to as Rules) for initiation of anti dumping investigation concerning alleged dumping of Penicillin-G (hereinafter referred to as subject goods) originating in or exported from China PR (hereinafter referred to as subject country).

AND WHEREAS, the Authority finds that sufficient prima facie evidence of dumping of subject goods by the subject country, injury to the domestic industry and causal links between the dumping and injury exist, the Authority hereby initiates an investigation into the alleged dumping, and consequent injury to the domestic industry in terms of the Rules 5 of the said Rules, to determine the existence, degree and effect

of alleged dumping and to recommend the amount of antidumping duty, which if levied would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

Domestic Industry

2. Application has been filed by M/s Alembic Ltd., Alembic Road, Vadodra on behalf of the domestic industry and they claimed that there were three more producers of Penicillin-G in India. M/s J.K. Pharma and M/s Torrent Biotech Ltd have suspended production. The fourth company M/s Southern Petro-Chemical Industry Corporation, is in production who is major producer and supports this application. As per the evidence available before the Authority, applicant has the standing to file the case for anti dumping investigation on behalf of domestic industry as per Rule 2(b) and Rule 5(3)(a) of Anti Dumping Rules.

Product under consideration

3. The product under consideration is Penicillin-G which is being dumped in the Indian market by the exporters from China PR. Penicillin-G is an organic compound. It is an amorphous white powder, sparingly soluble in water and soluble in methanol, ethanol, ether ethyl acetate, chloroforms, acetone and benzene. Penicillin is not a single compound but a group of closely related compounds, all with the same basic ring-like structure (a beta-lactam) derived from two amino acids (valine and cysteine) via a tripeptide intermediate. Penicillin is a β -lactam antibiotic used in the treatment of bacterial infection caused by susceptible, usually Gram-positive, organisms. The name "penicillin" can either refer to several variants of penicillin available, or to the group of antibiotics derived from the penicillin. The subject goods are classified under Chapter 29 of the Customs Tariff Act, 1975 within Customs subheading 29.41.10 and Indian Trade Classification based on Harmonized Commodity Description and Coding System, it is under sub heading 29411010. The Custom classification is indicative only and not binding on the scope of investigation.

Like Articles

5. The applicant has claimed that the goods produced by them are "like articles" to the goods originating in or exported from the subject country. Penicillin-G produced by the domestic industry and imported from China PR are having no known difference and are having comparable characteristics in terms of parameters such as physical and chemical characteristics, manufacturing process and technology, functions and uses, product specifications, pricing, distribution and marketing of the goods. Therefore, for the purpose of investigation the Penicillin-G produced by the applicant is being treated as like articles of Penicillin-G imported from subject country within the meaning of the Anti Dumping Rules.

4210 GI/08-2

Countries involved

6. The country involved in the present investigation is China PR.

Normal value

7. The applicant have proposed that China being a Non Market Economy the normal value is to be determined in terms of Para 7 of Annex-I of Anti Dumping Rules. The applicants have stated that they have not been able to procure the prices in the Market Economy, Third Country price, from such third country to others. Accordingly, the applicants have proposed that Normal Value in respect of China may be determined on the basis of prices in India after deducting the Customs duty applicable for POI.

Export Price

8. The export price has been claimed on the basis of import data provided by IBIS (International Business Information System) and DGCI&S (Director General Commercial Intelligence and Statistics), Kolkata. Price adjustments have been claimed on account of Ocean freight, marine insurance, inland transportation in the country of exports, port handling and port charges etc. to arrive at the net export price. There is sufficient evidence of export price and the adjustments claimed by the applicant for the subject goods from the subject country.

Dumping margin

9. There is sufficient evidences that the normal value of the subject goods in subject country is significantly higher than their net export price prima-facie indicating that the subject goods are being dumped by the exporters from the subject country.

Injury and Causal Link

10. The applicant has furnished evidence regarding the injury having taken place as a result of the alleged dumping in the form of fall in their market share because of increased volume of dumped imports, price undercutting, lost sales and decline in profitability and return on capital employed for the domestic industry. There is sufficient prima-facie evidence of the material injury being suffered by the applicant caused by dumped imports from subject country.

Period of investigation

11. The period of investigation for the purpose of present investigation is 1st April 2007 to 31st March 2008. The injury investigation period will however cover the periods 2004-05, 2005- 06, 2006- 07 and the Period of Investigation (POI).

Submission of information

12. The exporters in the subject country and their Government through their Embassy in India, importers and users in India known to be concerned and the domestic industry are being informed separately to enable them to file all information relevant in the form and manner prescribed. Any other party interested to participate in the present investigation may write to:

**The Designated Authority,
Directorate General of Anti-Dumping & Allied Duties,
Ministry of Commerce & Industry,
Department of Commerce
Room No.240, Udyog Bhavan,
New Delhi-110107.**

Time limit

13. Any information relating to this investigation should be sent in writing so as to reach the Authority at the above address not later than 40 days from the date of publication of this notification. If no information is received within the prescribed time limit or the information received is incomplete, the Authority may record their findings on the basis of the facts available on record in accordance with the Rules supra.

Submission of Information on Non-Confidential basis

14. In terms of Rule 7, the interested parties are required to submit non-confidential summary of any confidential information provided to the Authority and if in the opinion of the party providing such information, such information is not susceptible to summarization, a statement of reason thereof, is required to be provided.

INSPECTION OF PUBLIC FILE

15. In terms of rule 6(7) any interested party may inspect the public file containing non-confidential versions of the evidence submitted by other interested parties.

16. In case where an interested party refuses access to or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Governments as deemed fit.

R. GOPALAN, Designated Authority